आकाशवाणी गोरखपुर
प्रादेशिक समाचार

दिनांक–31 मार्च 2026 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सत्ताइस लाख से अधिक विद्यार्थियों के बैंक खातों में हस्तांतरित की तीन हजार तीन सौ पचास करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति।
- मुख्यमंत्री ने लखनऊ में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को वितरित किये नियुक्ति पत्र और स्मार्टफोन। कहा– जल्द ही मानदेय भी बढ़ेगा।
- केन्द्र सरकार ने आश्वस्त किया, देश में उर्वरकों का पर्याप्त भण्डार है मौजूद। अस्सी प्रतिशत क्षमता से उत्पादन कर रहीं हैं यूरिया इकाइयां।
- वाराणसी में आज आयोजित होगा एमपी–यूपी सहयोग सम्मेलन। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में व्यापारिक सहयोग, औद्योगिक निवेश और अन्य क्षेत्रों में साझेदारी को लेकर होंगे एमओयू।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल लखनऊ में वंचित और आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग के कक्षा नौ दस और दशमोत्तर के सत्ताइस लाख निन्नानबे हज़ार नौ सौ बयासी छात्र–छात्राओं के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से तीन हजार तीन सौ पचास करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति हस्तांतरित की।

वहीं राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के अंतर्गत गरीब परिवारों के तैंतीस हजार तीन सौ चौतीस आश्रित लाभार्थियों को सौ करोड़ रुपए की धनराशि दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि हर ज़रूरतमंद और पात्र व्यक्ति को बिना किसी भेदभाव के सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि सरकार सेवा और संवेदना के साथ हर वर्ग के हितों के लिए काम कर रही है।

जब सेवा संवेदना का हिस्सा बनती है और किसी भी सरकार का लक्ष्य व्यक्ति नहीं, जाति नहीं, संप्रदाय नहीं बल्कि सबका साथ और सबका विकास होता है तो उसका परिणाम इसी रूप में होता है कि सबका साथ सबका विकास का आदरणीय प्रधानमंत्री जी का प्रेरणादाई जो मंत्र है वह कैसे बिना भेदभाव के सभी समुदायों को उस स्कॉलरशिप की स्कीम के साथ जोड़ता है।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल लखनऊ में उनहत्तर हज़ार आठ सौ चार आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और मुख्य सेविकाओं को स्मार्टफोन वितरित किए। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को दो लाख से अधिक ग्रोथ मॉनिटरिंग डिवाइस और अट्ठारह हज़ार चार सौ चालीस आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को नियुक्ति–पत्र भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने चार सौ पचास करोड़ रुपए से अधिक लागत के आंगनबाड़ी केंद्रों और बाल विकास परियोजना कार्यालयों के भवनों का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष पांच हजार से अधिक आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और साठ हजार से अधिक सहायिकाओं की नियुक्ति का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार जल्दी ही आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों सहित सभी आउटसोर्स कर्मचारियों के मानदेय में बढ़ोत्तरी करेगी।

अगर स्मार्ट आंगनवाड़ी केंद्र होगा तो आपका मानदेय भी स्मार्ट होना चाहिए। मैंने विभाग से कह दिया है अति शीघ्र यह ट्रेनिंग कराओ और मानदेय का प्रस्ताव प्रस्तुत करके बड़ा समारोह करके इन लोगों के मानदेय को अभी से प्रारंभ करना प्रारंभ किया जिससे अति शीघ्र इनको एक मानदेय प्रारंभ हो जाए। सम्मानजनक मानदेय मिलना चाहिए। सम्मानजनक मतलब न्यूनतम मानदेय की गारंटी मिलनी चाहिए। हम लोगों ने प्रारंभ किया है। आप देखना इसी अप्रैल से हम लोग पहले जितने भी आउटसोर्स कर्मिक हैं उनके लिए हम लोगों ने कारपोरेशन संघ गठित किया।

****

पश्चिम एशिया में संघर्ष के बीच सरकार ने कल आश्वासन दिया कि देश में उर्वरकों का पर्याप्त भंडार मौजूद है। नई दिल्ली में पश्चिम एशिया के घटनाक्रम पर अंतर–मंत्रालयी ब्रीफिंग में उर्वरक विभाग की अतिरिक्त सचिव अपर्णा शर्मा ने बताया कि देश की यूरिया इकाइयां वर्तमान में अस्सी प्रतिशत क्षमता से उत्पादन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि खाड़ी देशों के अलावा अन्य स्रोतों से उर्वरकों की आपूर्ति बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

इस प्रिवेलिंग सिचवेशन में जो ग्लोबल फर्टिलाइजर मार्केट है उसमें काफी उछाल आया है प्राइस में इन सभी चीजों में और हमारी फ्रेंट और रिलेटेड कास्ट भी बड़ी है डोमेस्टिक प्रोडक्शन ऑफ यूरिया इंपैक्ट हुआ है। 30 से 35 हजार टन पर डे के हिसाब से और इसी सिचवेशन के रहते हमारे जो एफर्ट हैं। ओवरऑल रिक्वायरमेंट जो हमारी अपकमिंग खरीफ सीजन की है वो 39 लाख टन है।

वहीं, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि देश में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और प्राकृतिक गैस की पर्याप्त उपलब्धता है।

****

प्रदेश में गेहूं खरीद कल से शुरू हो गई है। लगभग दो लाख चौबीस हजार से अधिक किसानों ने बिक्री के लिए पंजीकरण करा लिया है। गेहूं खरीद पन्द्रह जून तक चलेगी।

****

वाराणसी में आज मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में एमपी–यूपी सहयोग सम्मेलन–दो हजार छब्बीस आयोजित किया जायेगा। सम्मेलन में उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बीच व्यापारिक सहयोग, औद्योगिक निवेश और अन्य क्षेत्रों में एमओयू भी किए जाएंगे। साथ ही काशी–उज्जैन–चित्रकूट धार्मिक पर्यटन सर्किट को संयुक्त रूप से विकसित करने पर भी विचार–विमर्श किया जाएगा। एक रिपोर्ट–

इस सम्मेलन की शुरुआत काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के अध्ययन भ्रमण से होगी, जहां क्राउड फ्लो डिजाइन, इंफ्रास्ट्रक्चर और तीर्थयात्री प्रबंधन प्रणालियों को नज़दीक से देखा जाएगा। इस अनुभव के आधार पर मध्य प्रदेश में धार्मिक स्थलों के विकास, सुविधाओं के विस्तार और व्यवस्थागत सुधार के लिए व्यवहारिक दृष्टिकोण विकसित किया जाएगा। सम्मेलन में ओडीओपी, जीआई टैग उत्पादों, पारंपरिक शिल्प, कृषि एवं फूड उत्पादों को ब्रांडिंग, मार्केटिंग और निर्यात से जोड़ने पर विशेष फोकस रहेगा। इस दौरान मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच एमओयू भी किए जाएंगे, जिनके माध्यम से व्यापारिक सहयोग, औद्योगिक निवेश, कौशल विकास, हस्तशिल्प संवर्धन और पर्यटन क्षेत्र में साझेदारी की जाएगी जिससे एक व्यापक आर्थिक इकोसिस्टम तैयार किया जा सके। मनीष सिंह, आकाशवाणी समाचार ,वाराणसी।

****

जनगणना दो हजार सत्ताइस पहली अप्रैल से शुरू होगी। यह स्वतंत्रता के बाद की आठवीं और इस श्रृखंला की सोलहवीं जनगणना होगी। नई दिल्ली में कल संवाददाता सम्मेलन में महारजिस्ट्रार और जनगणना आयुक्त, मृत्युंजय कुमार नारायण ने बताया कि जनगणना दो चरणों में आयोजित की जाएगी। श्री नारायण ने कहा कि पहले चरण में, घर–घर की सूची बनेगी और स्व–गणना की जाएगी। उत्तर प्रदेश में पहला चरण बाइस मई से शुरू होगा और इससे पन्द्रह दिन पहले सात मई से स्व–गणना की सुविधा उपलब्ध होगी।

जनगणना की तैयारियां अब अग्रिम अवस्था में पहुंच चुकी है और अब से कुछ एक दिन में ही फील्ड का कार्य प्रथम चरण प्रारंभ होने जा रहा है। जनगणना एक वृहद कार्य है। इसमें केन्द्रीय स्तर पर और राज्यों के स्तर पर संघ शासित प्रदेशों के स्तर पर विषद तैयारी चलती है, तो यह जनगणना दो चरणों में संपन्न होती है और इस बार आंकड़ों का संग्रह डिजिटल माध्यम से किया जाना है।

श्री नारायण ने कहा कि सबकी जानकारी पूरी तरह सुरक्षित रखी जायेगी। यह डेटा न तो किसी सरकारी योजना के लाभ के लिये इस्तेमाल होगा और ना ही अदालत में साक्ष्य के रूप में पेश किया जा सकेगा। सूचना के अधिकार–आरटीआई के तहत भी किसी तरह की जनकारी साझा नहीं होगी। केवल समग्र आंकड़े सार्वजनिक किये जायेंगे। जनगणना के दौरान कोई दस्तावेज नहीं मांगा जायेगा।

****

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने बीते रविवार की देर रात पीसीएस–दो हजार चौबीस का फाइनल रिजल्ट घोषित कर दिया। रिजल्ट के अनुसार नौ सौ सैंतालीस पदों के सापेक्ष कुल नौ सौ बत्तीस अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया गया है। इनमें छः सौ तेरह पुरुष और तीन सौ उन्नीस महिला अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। दिल्ली की नेहा पांचाल टॉपर घोषित की गई है, जबकि दूसरा स्थान रायबरेली की अनन्या त्रिवेदी ने हासिल किया है। वहीं अयोध्या की अनामिका मिश्रा चौथे स्थान पर रहीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी सफल उम्मीदवारों को बधाई दी है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि सभी अपनी प्रतिभा और निष्ठा के साथ नए उत्तर प्रदेश के निर्माण को नई गति प्रदान करेंगे और जनसेवा को अपने आचरण का आधार बनाएंगे।

****